इतिहास (वैकल्पिक विषय)

(आधुनिक इतिहास)

8 Test

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–H3

Name: SUNIL **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** Awadh 19/B013

Center & Date: DELHI 31/07/19 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*****:** 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
*प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) भारतीयों को राजनीतिक शिक्षा देने के संदर्भ में भारतीय प्रेस की भूमिका पर चर्चा कीजिये।

Discuss the role of Indian press with respect to providing political education to Indians.

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भारतीय प्रेस की बहुआयामी भूमिका - आर्थिक शिक्षण व जागरूकता, जन समस्याओं को उजागर करने का एक पक्ष था - राजनीतिक शिक्षा।

भूमिका -

(i) राजनीतिक मुद्दों के प्रति जन चेतना बढ़ाना।

(ii) विभिन्न प्रशासनिक मुद्दे - सिविल सेवाओं के भारतीयकरण, सेवाओं में पद व वेतन विभेद आदि मुद्दों को उजागर करना।

(iii) राष्ट्रीय मांग का प्रस्तुतिकरण।

(iv) सेवाओं के उद्देश्यों को जनता तक पहुँचाना।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) राजनैतिक नेतृत्व निर्माण में सहायता।

(vi) राष्ट्रीय रणनीति निर्माण, जनसंगठनों के निर्माण हेतु भूमिका तैयार करना

(vii) उदा. –

दादाभाई नौरोजी : रास्त गोफ्तार
बंकिमचंद्र चटर्जी : बंग दर्शन
तिलक = मराठा, केसरी
ब्रह्म बांधोपाध्याय : संध्या

सीमाएं –

(i) ब्रिटिश दमन।

(ii) सीमित साक्षरता के कारण सीमित प्रसार। नगरीय अधिक रहा।

(iii) जन मुद्दों, वर्गीय मुद्दों को पर्याप्त न उठा पाना।

उपरोक्त के बावजूद भारतीय प्रेस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) ब्रिटिश-फ्रेंच प्रतिस्पर्द्धा से जुड़े कर्नाटक युद्धों ने किस प्रकार भारतीय व्यापार एवं राजनीति पर ब्रिटिश प्रभुता को स्थापित किया?

How did the Carnatic Wars associated with the British-French competition establish British dominance on Indian trade and politics?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कर्नाटक - युद्ध = ब्रिटिश- फ्रेंच प्रतिस्पर्धा की व्यावहारिक युद्ध परिणति।

3 कर्नाटक युद्ध = प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48)
द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1748-54)
तृतीय कर्नाटक युद्ध (1756-63)

अंततः वांडीवाश के युद्ध (1759) में पराजय व पेरिस संधि (1763) द्वारा फ्रांसीसी ~~प्रभुत्व~~ सत्ता पर ब्रिटिश आधिपत्य ने अधिकार कर लिया।

कैसे?

(i) पेरिस संधि के प्रावधान -
a. फ्रांसीसी नगरों में किलेबंदी पर रोक
b. उन्हें केवल व्यापार की अनुमति दी गई। राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध।

(ii) फ्रांस को सहायता देने वाले भारतीय क्षेत्र - हैदराबाद व कर्नाटक के, भी ब्रिटिश आधिपत्य में आ गए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iii) फ्रेंच कंपनी की शक्ति कमजोर हुई ब्रिटिश कंपनी ने व्यापार में भागीदारी बढ़ा ली

(iv) कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अधिकार → ब्रिटिश कंपनी को संसाधनों की प्राप्ति बढ़ी।

(v) इसी प्रतिस्पर्धा के दौरान ब्रिटिश द्वारा बंगाल की विजय → उसका आर्थिक आधार अधिक मजबूत हुआ। कंपनी की राजनैतिक स्थिति भी मजबूत हुई

~~उपरोक्त संदर्भ में~~

(vi) इसके साथ शुरु भारतीय शासकों को सहायता के बदले राजस्व प्राप्ति की नीति ~~में~~ को अंग्रेजों ने और विकसित किया, जो अंततः सहायक संधि प्रणाली में परिणत हुआ।

उपरोक्त संदर्भ में ब्रिटिश प्रभुता स्थापित हुई

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) "ईश्वरचंद विद्यासागर का उपनिवेशवाद के प्रति विरोध तर्कवाद के पाश्चात्य संस्करण से परिभाषित नहीं था।" स्पष्ट कीजिये।

"The opposition to colonialism by Ishwar Chandra Vidyasagar was not defined by the Western version of rationalism." Discuss.

~~बंगाल में प्रबुद्ध व्यक्ति के अग्रणी ईश्वरचन्द्र विद्यासागर उन प्रमुख नेताओं में से है, जिन्होंने~~

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर = बंगाल में 19th

19 के प्रबुद्ध विचारक

- पुस्तक = बहुविवाह
- पत्र = सोमप्रकाश
- 1849 बेथुन के साथ मिलकर बेथुन स्कूल खोला
- विधवा पुनर्विवाह कानून में महत्वपूर्ण योगदान।

उपनिवेशवाद के प्रति विरोध तर्कवाद के पाश्चात्य संस्करण से परिभाषित नहीं -

(i) तत्कालीन विचारक पाश्चात्य मूल्य - समानता, स्वतंत्रता की कसौटी पर उपनिवेशवाद का विरोध कर रहे थे जैसे राजा राम मोहन राय आदि।

(ii) परंतु ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने प्राचीन भारतीय संस्कृति के भीतर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

तत्वों को पुनर्जीवित करने पर अधिक बल दिया।

iii) उन्होंने बंगाली भाषा व लिपि को मानकीकृत, एकीकृत किया; ताकि रचनाओं के माध्यम से स्वावलंबन, देशभक्ति की भावना जागृत कर उपनिवेशवाद का विरोध किया जा सके।

iv) वे सुधारों के माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन में विश्वास रखते थे। जैसे महिला स्थिति उत्थान, जाति प्रथा विरोध।

v) उन्होंने शिक्षा विस्तार, जन-जागरण को इस हेतु तर्कवाद से अधिक उपयुक्त माना।

उपरोक्त विश्लेषण कथन को स्पष्ट करता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) "नेहरू युग की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि वैज्ञानिक अनुसंधान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में थी।" विवेचना करें।

"One of the significant achievements of the Nehru era was in the field of scientific research and technical education." Discuss.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

नेहरू युग में न केवल भारत ने न केवल राजनीतिक लोकतंत्र, स्थिर प्रशासन, आर्थिक उन्नति, सामाजिक सुधार के प्रयास किए गए; बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान व तकनीकी शिक्षा में भी पर्याप्त प्रगति देखने को मिली। यथा-

(i) 1942 में CSIR का गठन → प्रयोगशालाओं की स्थापना को गति मिली।

(ii) 1947 में NPL का गठन।

(iii) MIT की तर्ज पर 1952 में खड़गपुर में IIT का निर्माण।

(iv) 1954 में परमाणु ऊर्जा आयोग व परमाणु ऊर्जा विभाग का गठन।

(v) 1956 में पूर्ण परमाणु अनुसंधान रिएक्टर - अप्सरा का निर्माण।

(vi) 1958 में DRDO का गठन → रक्षा क्षेत्र को गति मिली।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(vii) 1962 में INCOSPAR का गठन → अंतरिक्ष विज्ञान में प्रगति।

लाभ -

(i) स्वदेशी तकनीकी को प्रोत्साहन।

(ii) सभी क्षेत्रों में तकनीकी विकास पर बल → असमानता में कमी आई।

(iii) इसने कृषि विकास, औद्योगीकरण को भी गति दी।

सीमाएँ -

(i) ~~पर्याप्त धन की कमी के कारण~~ पर्याप्त धन आवंटन न हो पाना।

(ii) अनुसंधान पर बल, नवाचार को ध्यान में नहीं रखा गया।

(iii) विदेशी तकनीक का सीमित प्रवेश।

सीमाओं के बावजूद अनुसंधान व तकनीकी विकास ने मजबूत भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) भारत में क्रांतिकारी आंदोलन के विकास में महिलाओं की भूमिका पर एक संक्षिप्त टिप्पणी करें।

Write a short note on the role of women in the development of revolutionary movement in India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

क्रांतिकारी आंदोलन = 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध व 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में क्रांति, हिंसक साधनों, आत्म बलिदान आदि के द्वारा भारतीय स्वतंत्रता प्राप्ति के लक्ष्य की पूर्ति हेतु उभरी विचारधारा। इसका प्रसार बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली समेत एक व्यापक क्षेत्र में हुआ।

महिलाओं की भूमिका -

i) प्रीतिलता वाद्दर, कल्पना दत्त ने सूर्यसेन के साथ मिलकर चिटगाँव शस्त्रागार हमले (1930) में भूमिका निभाई।

ii) शांति घोष, बीना दास ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

iii) पेरिस में मैडम भीकाजी कामा ने वंदेमातरम् पत्र, भारतीय स्वतंत्रता का ध्वज फहराने आदि गतिविधियों द्वारा क्रांतिकारी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

भावना का विस्तार किया।

(iv) INA में कैप्टन लक्ष्मी सहगल व रानी झाँसी रेजीमेंट की महिला सैनिकों ने अभूतपूर्व शौर्य का परिचय दिया।

(v) भारत छोड़ो आंदोलन में अरूणा आसफ अली, ऊषा मेहता आदि उग्रवादी गतिविधियों में संलग्न थी, जिन्होंने RIM के जनाधार के विस्तार के साथ ही अंग्रेजों पर दबाव निर्माण में योगदान दिया।

सीमाएँ -

(i) अंग्रेजी दमन।

(ii) क्रांतिकारी भाग को पुरुषोचित मार्ग माने जाने के कारण इसमें भाग लेने पर सामाजिक-रूढ़िवादी प्रतिबंध।

उपरोक्त के बावजूद महिलाओं की इस क्षेत्र में भूमिका सराहनीय थी।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)
दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) क्या कारण थे कि आरंभ में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 को पूर्णतः अस्वीकार करने वाली कॉन्ग्रेस को अंततः 1937 के प्रांतीय चुनावों में भाग लेकर इसे अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार करना पड़ा? 15

What were the reasons that the Congress, which initially rejected the Government of India Act, 1935, had to accept it indirectly by participating in the Provincial elections of 1937? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) 19वीं शताब्दी में बारंबार पड़ने वाले दुर्भिक्ष के पीछे ईस्ट इंडिया कंपनी की औपनिवेशिक नीतियाँ ज़िम्मेदार थीं जिसने समय-समय पर लाखों भारतीयों को मौत की नींद सुलाने में अहम भूमिका निभाई। चर्चा कीजिये। 20

The colonial policies of the East India Company were responsible for the frequent famine in the 19th century which from time to time played a significant role in killing millions of Indians. Discuss. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में ब्रिटिश शासन के आर्थिक दुष्परिणामों का एक पक्ष बार-2 पड़े अकाल है। औंकड़ा के अनुसार कंपनी के काल में 18 व ब्रिटिश क्राउन के काल में लगभग 10 बड़े अकाल पड़े।

दुर्भिक्ष के पीछे जिम्मेदार कंपनी की औपनिवेशिक नीतियाँ -

(i) कृषि का वाणिज्यीकरण → खाद्यान्न उत्पादन कम होने लगा जिससे संकट के समय अनाज उपलब्धता कम हो जाती व लोग भूख मरने लगते।

(ii) खाद्यान्न निर्यात को प्रोत्साहन (ब्रिटिश औद्योगीकरण को इधान में रखते हुए) → अकाल के समय भी निर्यातों को कम न किए जाने के कारण विशेषिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

और भी बढ़ती गई।

(iii) विऔद्योगीकरण के कारण कृषि पर भार बढ़ा, कृषकों की वैकल्पिक आय के स्रोत भी सीमित होते गए इससे क्रय समता का ह्रास हुआ।

(iv) भूराजस्व नीतियों - जमींदारी, महलवाड़ी, रैयतवाड़ी के दुष्प्रभावों से कृषकों के पास अनाज की उपलब्धता को कम कर दिया था।

(v) धन के निर्गमन ने भारतीयों द्वारा भारत में पूंजी निवेश को बहुत कठिन बना दिया।

(vi) विज्ञान व शिक्षा क्षेत्र में हुआ अल्पविकास भी ब्रिटिश हितों के अनुरूप था। भूमि कृषि उत्पादन बढ़ाने, इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान का पूर्णतः अभाव रहा।

(vii) Reactive प्रकार की दुर्भिक्ष नीति- मात्र राहत का दृष्टिकोण, वह भी अपर्याप्त, अधिकारियों

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की उत्तरदायित्व हीनता आदि ने कष्ट की ओर बढ़ा दिया।
(viii) रेलवे के विकास ने आपसी एकीकरण बढ़ाने की तुलना में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाने में अधिक योगदान दिया जिसके कारण अकाल के कारण होने वाली मृत्यु बढ़ी।

यद्यपि कंपनी कालांतर में स्ट्रेची आयोग, कैम्पबेल आयोग, वुडहेड आयोग आदि बनाकर राहत के प्रयास किए गए। परंतु ये भी साम्राज्यिक हितों के अनुरूप थे।

इसी कारण भारत में अकालों ने पूर्व की तुलना में अधिक हाहाकार मचाया। जैसे बिहार, बंगाल (1876) आदि।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) "स्थायी बंदोबस्त के संदर्भ में कार्नवालिस के मस्तिष्क में अंग्रेज़ भूमिपतियों की संकल्पना थी जिसे भारतीय परिस्थितियों में कार्नवालिस ने क्रियान्वित किया।" कथन के संदर्भ में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली के प्रभावों की चर्चा कीजिये। 15

"With the concept of English landlords in mind, Cornwallis implemented Permanent Settlement in India." In light of the statement, discuss the effects of the Permanent Settlement system. 15

ब्रिटिश कंपनी काल में कार्नवालिस ने रजांदारी प्रथा के स्थान पर स्थायी बंदोबस्त को पूर्वी भारत के क्षेत्रों में 1793 में लागू किया था।

कार्नवालिस का विचार -

(i) वह स्वयं जमींदार रह चुका था अतः व्यवस्था निर्माण उसके लिए अधिक कठिन नहीं होगा।

(ii) अंग्रेजी भूमिपतियों ने कृषि के विस्तार, विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी उसका विचार इसी प्रकार का एक वर्ग भारत में भी तैयार कर कंपनी शासन को मजबूत बनाने का था।

(iii) इससे कंपनी भारतीय देशी शासकों व प्रतिस्पर्धी यूरोपीय कंपनियों के विरोध से भी बच जाती व उसकी आय भी निश्चित हो जाती।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

स्थायी बंदोबस्त प्रणाली के प्रभाव →

सकारात्मक -

a. कंपनी को पहले से अधिक व निश्चित आय की प्राप्ति।
b. बार-बार लगान निर्धारण से मुक्ति।
c. कंपनी के पास कार्यबल भी पर्याप्त न था।
d. प्रत्यक्ष हस्तक्षेप कंपनी में भ्रष्टाचार बढ़ा सकता था।
e. वफादार जमींदारों के एक वर्ग का निर्माण।
f. जमींदारों को अधिकारों की प्राप्ति।
g. उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार।

नकारात्मक -

(1) कंपनी पर → a. कंपनी को भविष्य में आय वृद्धि से होने वाले लाभ प्राप्ति का अवसर चला गया।
b. भूमि का किराया निर्धारण की समस्या।
c. Sunset clause के कारण जमींदारों से लाभ क्रय-विक्रय की बारंबारता बढ़ने से कार्यदबाव बढ़ा।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) जमींदारों पर = a. अधिकाधिक कर वसूलने के प्रयासों में जमींदार-कृषक संबंध खराब होते चले गए।

b. जमींदारों के विरुद्ध विद्रोह बढ़ा।

c. कई जमींदारों ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह भी कर दिया।

(3) कृषकों पर = a. कृषकों का शोषण बढ़ा।

b. कृषकों की आय में कमी।

c. दुर्भिक्ष की बारंबारता बढ़ी → वृहद स्तर पर मृत्यु होने लगी।

d. कृषि का उपखंडन, उपविभाजन बढ़ा।

e. अर्थव्यवस्था का ग्रामीणीकरण बढ़ा।

f. आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदाय नष्ट होने लगा।

g. कृषकों द्वारा कृषि छोड़ अन्यत्र प्रवसन → शोषण के प्रति दुर्भावना और बढ़ी।

h. विभिन्न विद्रोह जैसे- हो विद्रोह, फकीर विद्रोह।

उपरोक्त संदर्भ में स्थायी बंदोबस्त ने न केवल कृषि, बल्कि संपूर्ण अर्थव्यवस्था को क्षति पहुंचाई

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "विभिन्न धर्मों की समीक्षा और पुनर्मूल्यांकन राजा राममोहन राय के द्वारा प्रस्तुत चिंतन के प्रमुख विषय थे।" स्पष्ट कीजिये। 15

"The review and evaluation of various religions were the main themes of contemplation presented by Raja Rammohan Roy." Explain. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

राजा राम मोहन राय शिक्षित मध्यम भारतीय वर्ग की उस अग्रिम पंक्ति का प्रतिनिधित्व करते है, जो प्रबोधन विचारों से युक्त थी; तर्कवाद, मानववाद, आधुनिकता के गुणों से युक्त थी।

राजा राम मोहन राय ने पाश्चात्य सभ्यता व संस्कृति के तत्वों के प्रवेश का समर्थन किया, परंतु अंधभक्त होकर उसी का पालन करने व स्वदेशी संस्कृति को भुला देने का भी विरोध किया। जैसे-

(i) उन्होंने ईसाई धर्म की चर्च व्यवस्था में फैले अवगुणों - पुरोहितवाद, संस्कारवाद का भी विरोध किया तथा इन्हें धर्म का आवश्यक तत्व नहीं माना।

(ii) इसी प्रकार ओल्ड टेस्टामेंट में वर्णित चमत्कारिक कहानियों को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भी नकारा तथा तर्कवाद पर बल दिया।

(iii) ~~भारतीय~~ हिन्दू / ब्राह्मण धर्म की सती प्रथा को भी उन्होंने न केवल शास्त्रों, बल्कि तर्कवाद की कसौटी पर अनुचित पाया, तथा इसके विरोध में प्रबल जनमत तैयार करने का प्रयास किया।

(iv) इसी क्रम में बहुदेववाद, अवतारवाद, मूर्तिपूजा को नकारा। ब्रह्म समाज के नियमों में भी राजा राम मोहन राय के विचारों - एकेश्वरवाद आदि को देखा जा सकता है।

(v) मुस्लिम धर्म की कुरीतियाँ - पर्दा प्रथा, बहु विवाह, असमानीय तलाक प्रथा को उन्होंने अनुचित माना।

(vi) पुस्तक - 'गिफ्ट टू मोनोथिस्ट्स' में भी उन्होंने विभिन्न धर्मों की मान्यताओं, परंपराओं को मानवीय मूल्यों, स्वतंत्रता, अधिकार जैसे मानकों पर खरा उतरने पर ही अपनाने की बात कही।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(viii) आत्मीय सभा (1815) आदि संगठनों द्वारा भी उन्होंने भारतीय संस्कृति में आए दुर्गुणों – जाति प्रथा, महिलाओं का सीमित अधिकार आदि को पाश्चात्य तर्कवाद द्वारा दूर करने का प्रयास किया।

वस्तुत: राजा राम मोहन राय ने धर्म को न नकार कर उसके दुर्गुणों को दूर कर उसे विकास का एक पक्ष बनाने की पहल की। उन्होंने केवल पाश्चात्यीकरण की प्रवृत्ति न अपनाते हुए आधुनिकीकरण पर बल दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) स्वातंत्र्योत्तर भारत में निम्न जातियों के संरक्षण की दिशा में क्या आरंभिक प्रयास किये गए थे? ये प्रयास तत्कालीन भारत में जातीय अल्पसंख्यकों की स्थिति में सुधार लाने में कितने सफल रहे? विश्लेषण करें। 15

What initial efforts were made towards the protection of the lower castes in post-independent India? How successful were these efforts in improving the status of ethnic minorities in contemporary India? Examine. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

< 4 उपाय

भारत में समाज की जाति आधारित व्यवस्था के कारण जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग काफी समय से शोषण व गतिहीनता का शिकार रहा था।

स्वतंत्र्योत्तर भारत में एक समानता आधारित समाज के निर्माण हेतु इनके संरक्षण, विकास, भागीदारी को आवश्यक तत्व माना गया।

प्रयास-

i) संवैधानिक : संविधान में प्रावधान-

a. अनुच्छेद 15 = जाति, लिंग आदि आधारों पर भेदभाव का निषेध।

b. अनुच्छेद 17 = अस्पृश्यता उन्मूलन।

c. अनु - 23 = बलात श्रम उन्मूलन।

d. अनु. 46 = कमजोर वर्गों के कल्याण हेतु राज्य का विशेष उत्तरदायित्व।

e. अनु - 338, 338 (क) = SC, ST के लिए विशेष आयोग।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

f. अनु. 341, 342 = संहिताकरण।

(ii) कानूनी = a. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम (1956)
b. SC/ST अत्याचार निवारण अधिनियम (1989)
c. PESA (1996)
d. FRA (2006)
e. आरक्षण का प्रावधान।

(iii) गैर सरकारी प्रयास = a. विभिन्न जातिदलों के निर्माण द्वारा संगठनात्मक अभिव्यक्ति का प्रयास। जैसे रिपब्लिकन पार्टी (महाराष्ट्र) DS4, BSP (उत्तरप्रदेश)
b. धर्म परिवर्तन के द्वारा दबाव का प्रयास। जैसे डा. अंबेडकर के नेतृत्व में 1956 में वृहद स्तर पर धर्म परिवर्तन।

प्रयासों की सफलता -

(i) सामाजिक परिस्थिति में सुधार। अमानवीय कुप्रथा पर रोक।
(ii) आर्थिक स्थिति में सुधार निम्न समझे जाने वाले कार्यों - मल-मूत्र सफाई, कूड़ा बीनने की तक ही सीमित

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

न रहना आर्थिक गतिशीलता में वृद्धि
जैसे हाल ही में गठित 'दलित चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री'।

(iii) राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि। प्रशासन में विभिन्न वर्गों का समावेशन।

(iv) साक्षरता में सुधार।

(v) महिला स्थिति का बेहतर होना; न केवल सामाजिक रूढ़िवादिता में कमी, बल्कि निर्णयों में भागीदारी भी बढ़ी है।

(vi) जाति आधारित नागरिक समूहों का उद्भव।

सीमाएँ-

(i) जाति आधारित राजनीति व राजनीति में जातीयकरण का बढ़ जाना।

(ii) आरक्षण जैसे प्रावधानों का लाभ कुछ ही वर्गों द्वारा अधिक उठा लिया जाना।

(iii) वित्तीय समावेशन का अभी भी अभाव।

(iv) खाप पंचायतों, honour killing के मामले।

आगे की राह-

(i) कानूनों का सही व मजबूत क्रियान्वयन।

(ii) आर्थिक अवसरों तक पहुँच में वृद्धि करना।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) भारतीय राजनीतिक जनमत के सभी स्तरों पर रॉलेट एक्ट के प्रति गहरा आक्रोश था, किंतु इसका सार्वजनिक विरोध करने का अनूठा और व्यावहारिक ढंग गांधीजी ने सुझाया। विश्लेषण कीजिये। 15

There was a deep resentment towards the Rowlatt Act at all levels of Indian political opinion, but it was Gandhiji who gave the unique and practical way to publicly oppose it. Analyze. 15

रॉलेट एक्ट = सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा प्रस्तावित एक्ट।

प्रावधान = a. बिना वारंट के गिरफ्तारी
b. शंका के आधार पर २ साल तक कैद।
c. विशिष्ट न्यायालयों की स्थापना, अपील संभव नहीं।

विभिन्न स्तरों पर आक्रोश -

(i) बुद्धिजीवी = तर्कशीलता के आधार पर विरोध।
• भारतीय राष्ट्रीयता को दबाने का माध्यम।
जैसे गाँधीजी ने बिना वकील, बिना अपील, बिना दलील का कानून कहा।

(ii) आम जन = बेवजह गिरफ्तारी की आशंका में विरोध।
• विरोध में महिलाओं, कृषकों सभी की मौजूदगी इसके विरोध के स्तर की गहनता को प्रकट करती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गाँधीजी का तरीका -

i) गाँधीजी ने सत्याग्रह (भारत में सत्याग्रह का प्रथम प्रयोग) का रास्ता अपनाया।

ii) उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया। लोगों को इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया तथा हड़ताल, यात्रा, सामूहिक गिरफ्तारी जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया।

iii) उन्होंने इसे एक जनआंदोलन व बहुवर्गीय आंदोलन रूप देने की कोशिश की, ताकि अधिकाधिक जनता न केवल विरोध से जुड़े, बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण की भावना भी बढ़े।

iv) वे हिंसक साधनों द्वारा विरोध के खिलाफ थे क्योंकि ऐसा करने पर न केवल ब्रिटिश सरकार आंदोलन का दमन कर सकती थी, बल्कि जनता का एक बड़ा वर्ग - महिला, कृषक, श्रमिक, द्वारा आंदोलन से पृथक रह जाता।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) गाँधीजी ने सत्याग्रह सभा की स्थापना कर आंदोलन को संस्थागत रूप देने का प्रयास किया।

(vi) बहिष्कार, रचनात्मक कार्यों द्वारा राजनीतिक आंदोलन के साथ ही सामाजिक सशक्तीकरण के उद्देश्य की पूर्ति का भी प्रयास किया।

(vii) जालियाँवाला बाग हत्याकांड के बाद आंदोलन को उग्र होते देख उन्होंने सत्याग्रह वापस ले लिया।

वस्तुतः गाँधीजी की उपरोक्त रणनीति लोक चेतना में पैठ के माध्यम से जनता को आंदोलित करने की परिचायक है, ताकि बदलावों को वृहद् स्तर पर प्रभावित किया जा सके।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "बसीन की संधि मराठों के पतन के संदर्भ में निर्णायक संधि थी, जिसने अंग्रेज़ों की सर्वश्रेष्ठता को स्थापित किया।" कथन के संदर्भ में संधि की चर्चा करते हुए अंग्रेज़ों के संदर्भ में इसके महत्त्व को रेखांकित कीजिये। 20

"The treaty of Bassein ensured the decline of Marathas and established the superiority of the British." Explain the treaty and highlight its importance in the context of the British. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सालबाई की संधि (1782) के पश्चात अंग्रेज निरंतर अपनी स्थिति मजबूत करते जा रहे थे। इसी क्रम में मराठा पर बढ़ते दबाव व आपसी संघर्ष का परिणाम था - पेशवा द्वारा बसीन की संधि (1802)

प्रावधान -

(i) अंग्रेज बाजीराव II को पेशवा बनाने में मदद करेंगे।

(ii) मराठा क्षेत्र में एक ब्रिटिश रेजीडेंट की नियुक्ति।

(iii) मराठा खर्च पर अंग्रेजी सेना की नियुक्ति।

(iv) अंग्रेज बाह्य आक्रमण से मराठा क्षेत्र की रक्षा करेंगे।

(v) अंग्रेजों को सूरत, सालसेट आदि क्षेत्र दिए गए।

वस्तुतः उपरोक्त संधि पेशवा पद को लेकर बढ़ती महत्वाकांक्षा, मराठा संघ (गायकवाड़, सिंधिया, होल्कर,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भोंसले की एकता नष्ट होने, तुष्टीकरण की नीति आदि का परिणाम थी।

प्रभाव -

(i) मराठों का पतन = a. बाजीराव II के अंग्रेजों के पक्ष में जाने का विरोध होल्कर, भोंसले आदि द्वारा विरोध किया गया। इससे मराठा एकता भंग हुई। अंततः राजपुर घाट की संधि, सुर्जीअर्जुनगाँव की संधि द्वारा मराठा मंडल पराजित हुआ।

b. कालांतर में पेशवा भी अंग्रेजी माँगों से तंग आकर विरोधी हो गया तथा तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध (1818-19) हुआ, परंतु तब तक मराठा कमजोर हो चुके थे। अतः पेशवा को भी पराजय का मुँह देखना पड़ा।

(ii) अंग्रेजों को लाभ -

a. मराठा प्रदेशों पर नियंत्रण।

b. कंपनी के व्यापारिक लाभों में वृद्धि

c. पाश्चात्य (मिन केलती) सेना मराठों द्वारा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फ्रांस के सहयोग से विदेश की रणनीति को संतुलित करने में मदद मिली।

d. वेलेजली का कथन कि बाजीराव II खुद कंपनी के पास आया था। अतः संधि विवेकसंगत, उचित थी। इसने कंपनी को सशक्त बनाया व ब्रिटिश क्राउन के शासन के अपमानन से बचाया।

e. अंग्रेजों का दक्षिण के क्षेत्रों पर नियंत्रण मजबूत। जैसे मैसूर, कर्नाटक।

f. उपजाऊ प्रदेशों की प्राप्ति → आर्थिक लाभ बढ़ा।

उपरोक्त संदर्भ में बसीन की संधि अंग्रेजों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हुए, जिसके कई दीर्घकालिक परिणाम उभरे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: **10 × 5 = 50**

Answer the following in about 150 words each:

(a) औपनिवेशिक भारत में कृषि के व्यावसायीकरण की पृष्ठभूमि में निहित कारकों को स्पष्ट कीजिये।

Explain the factors responsible for the commercialization of agriculture in colonial India.

कृषि का व्यावसायीकरण : खाद्यान्न फसलों के स्थान पर नगदी फसलों का उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया जैसे रेशम, गन्ना, कपास, जूट, अफीम, चाय बागान आदि।

कारण -

(i) चीन के साथ अफीम व्यापार में को संतुलित करना।

(ii) ब्रिटेन में हो रही औद्योगिक क्रांति के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

(iii) ब्रिटेन में हो रही औद्योगिक क्रांति के लिए कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

(iiii) 1869 में स्वेज नहर का खुल जाना → अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़ गया था फलतः इस क्षेत्र में अपने अधिकाधिक भाग व लाभांश को सुनिश्चित करना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iv) बाद में कर निर्धारण द्वारा अधिकार भू-राजस्व वसूली संभव थी।

(v) व्यावसायीकरण के कारण विनिमय बैंक, बीमा कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ जाता।

(vi) रेलवे के विकास ने भी योगदान दिया।

(vii) 1870's में रुपए-स्टर्लिंग की विनिमय दरों में कमी के कारण भी निर्यात को बढ़ावा मिला था।

उपरोक्त संदर्भों में कृषि व्यावसायीकरण को समझा जाता है, जिन्होंने कुछ क्षेत्रों में सीमित लाभ के साथ दीर्घकालिक नुकसान उत्पन्न किए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "गांधीजी के राजनीतिक विचार भारतीय दर्शन के साथ-साथ पाश्चात्य चिंतकों के विचारों से भी प्रभावित थे।" चर्चा कीजिये।

"Gandhiji's political views were influenced by Indian philosophy as well as ideas from Western thinkers." Discuss.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बीसवीं सदी के पूर्वार्ध में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा, नई गति, नई ऊर्जा प्रदान करने वाले गाँधीजी के राजनीतिक विचार किन्हीं सीमाओं में न बंधकर बहुआयामी स्रोतों से निहित थे।

भारतीय दर्शन का प्रभाव -

(i) उपनिषद् से अपरिग्रह का विचार।
(ii) बौद्ध धर्म से व्यावहारिक अहिंसा को लिया।
(iii) ब्राह्मण धर्म की वर्ण व्यवस्था को श्रम विभाजन व कार्य विशिष्टीकरण का प्रतीक मानना।
(iv) प्राचीन स्थानीय संस्थाओं की तर्ज पर ग्राम-स्वराज का विचार।
(v) रामराज्य का विचार, जो कि स्वदेशी व स्वराज का मिश्रण था।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पाश्चिमी चिंतकों का प्रभाव -

(i) टॉलस्टॉय से हृदय की पवित्रता, मनुष्य को ईश्वर का अंश मानने का विचार।

(ii) रस्किन की पुस्तक 'Unto the Last' से सर्वोदय की संकल्पना।

(iii) ईसाई धर्म से विचार कि- बुरे मनुष्य को भी अच्छाई से बदला जा सकता है।

वस्तुतः गाँधीजी ने सभी स्रोतों से उत्तम विचारों को ग्रहण कर तथा उन्हें भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप ढालकर एक व्यावहारिक राजनीति का प्रतिपादन किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) उन्नीसवीं सदी के ब्रिटिश भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद के विकास को रेखांकित कीजिये।

Highlight the development of economic nationalism in nineteenth century British India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आर्थिक राष्ट्रवाद = प्रारंभिक उदारवादी नेताओं की ब्रिटिश आर्थिक नीतियों पर आधारित विश्लेषणात्मक आलोचना।

i) प्रमुख तत्व - a. ब्रिटिश नीतियों के विश्लेषण के साथ ही उसके नकारात्मक प्रभावों को उजागर करना।

b. सुधार हेतु सुझाव।

ii) यह उदारवादियों की ब्रिटेन के साथ राजनीतिक सहयोग व विलय के साथ ही आर्थिक नीतियों पर तीव्र व कठोर रणनीति का परिचायक थी।

iii) इसने भारतीय जनता में इस बात को फैलाया कि ब्रिटिश शासन भारतीय हित में नहीं है। (जबकि यह ब्रिटिश शासन वैधता का एक प्रमुख पक्ष था।)

iv) प्रमुख नेता = दादाभाई नौरोजी - पॉवर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

M.G. रानाडे
R.C. दत्त

(v) इन्होंने ब्रिटिश पूँजी व तकनीक का तो औद्योगीकरण हेतु समर्थन किया, परंतु मुक्त व्यापार के विरोधी थे।

(vi) आर्थिक राष्ट्रवाद के अन्य पक्षों में - निर्धनता का मुद्दा, धन निर्गमन, नमक कर का मुद्दा, अफीम की खेती आदि भी शामिल थे।

वस्तुतः आर्थिक राष्ट्रवाद ने जहाँ एक ओर ब्रिटिश शासन को घेरा, तो वहीं दूसरी ओर स्वदेशी उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन व ब्रिटिश शासन विरोध हेतु राजनीतिक संगठनों के निर्माण को भी बल प्रदान किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) "पटेल एवं नेहरू में वैचारिक एवं स्वभावगत मतभेद पहले से ही मौजूद थे किंतु स्वतंत्रता के पश्चात् इनके बीच नीतिगत मतभेद भी उत्पन्न हुए।" टिप्पणी कीजिये।

"The ideological and the temperamental differences were already present between Patel and Nehru, but after the independence, political differences also emerged between them." Comment.

किसी भी राष्ट्र में वृहद स्तर पर दो नेताओं के बीच वैचारिक व अन्य भेद सामान्यतः सभी जगह देखे जा सकते हैं। जैसे अमेरिकी क्रांति, फ्रांसीसी क्रांति आदि। भारत भी इसका अपवाद नहीं रहा है।

पटेल व नेहरू के बीच भेद -

i) वैचारिक = नेहरू का झुकाव वामपंथ की तरफ, तो पटेल का झुकाव अपेक्षाकृत दक्षिण पंथ की तरफ।

b. नेहरू वर्ग संघर्ष, समानता पर बल देते थे, तो पटेल निजीकरण को भी आवश्यक तत्व मानते थे।

c. पटेल की दृष्टि राज्यों के विलय के समय अपेक्षाकृत कठोर रुख अपनाने की थी, तो नेहरू राज्यों की सहमति पर थोड़ा अधिक बल देते थे। जैसे J&K मामला।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this sp

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नीतिगत भेद :- a. पटेल राजनीतिक दल व शासन के पृथक्करण के समर्थक थे, जबकि नेहरू INC के अध्यक्ष के साथ ही प्रधानमंत्री का पद भी संभाल रहे थे।

b. पटेल सिविल सेवा को बनाए रखने के पक्ष में थे, तथा और मजबूत करने के पक्षधर थे; ताकि राष्ट्रीय एकता बनी रहे। वहीं नेहरू इसके शोषणकारी व अभिजनवादी प्रवृत्ति को लेकर आशंकित थे।

तथापि राष्ट्र विकास व राष्ट्रनिर्माण का एकीकृत दृष्टिकोण, जन भागीदारी व जन आंदोलन तकनीकी विकास, आर्थिक संवृद्धि जैसे मुद्दों पर दोनों नेताओं के विचार समान थे।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) स्वतंत्र भारत में भूमि सुधारों को लागू करने के प्रमुख उद्देश्यों की चर्चा करते हुए इनकी असफलता के कारणों पर विचार करें।

Discuss the main objectives behind the implementation of land reforms in independent India. Consider the reasons for its failure.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

स्वतंत्र भारत में भूमि सुधार = तकनीकी की बजाय संस्थागत सुधार को ध्यान में रखकर शुरू किया गया कार्यक्रम।

उद्देश्य - a. बिचौलियों का उन्मूलन।
b. काश्तकारों को स्थायित्व।
c. लगान का विनियमन।
d. भूमि का पुनर्वितरण। जैसे सहकारी कृषि, हदबंदी, चकबंदी आदि।

ताकि न केवल ग्रामीण शोषणकारी व्यवस्था को तोड़ा जा सके, बल्कि कृषि क्षेत्रक के विकास के साथ ही सामाजिक रूढ़िवादिता को कम करने, औद्योगीकरण को बढ़ावा देने जैसे प्रयासों को भी गति मिल सके।

सफलताएँ -
(i) 1954 में जमींदारी उन्मूलन कार्यक्रम।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

iii) सहकारी कृषि का विस्तार

असफलता के कारण -

i) भूमि के राज्य सूची का विषय होने के कारण केन्द्र-राज्य समन्वय कम। कई कानूनों का निर्माण होने से जटिलता बढ़ी।

ii) legal loopholes → जमींदारों ने फायदा उठाया जैसे हदबंदी कानूनों में परिवार। व्यक्ति को इकाई मानना।

iii) कमजोर क्रियान्वयन। रूढ़िवादी प्रशासन।

iv) संपत्ति के मूलाधिकार को लेकर जमींदारों आदि द्वारा न्यायालय में चले जाना → विवादों को बढ़ावा मिला।

v) राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी, नेतृत्व का अभाव।

उपरोक्त कारणों से भूमि सुधार कार्यक्रम सीमित ही सफल हो पाए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) द्वैधशासन ने किस प्रकार बंगाल की जनता को भयंकर दरिद्रता का सामना करने के लिये विवश किया? विश्लेषण कीजिये। 15

How did the Diarchy force the people of Bengal to face extreme poverty? Analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वैधशासन = क्लाइव द्वारा बंगाल में 1765 में शुरू प्रशासनिक व्यवस्था। राजस्व अधिकार कंपनी के प्रत्यक्ष नियंत्रण में था, जो प्रशासनिक अधिकार कंपनी द्वारा नियुक्त सूबेदार के माध्यम से नवाब के हाथों में। यद्यपि इसके अंग्रेजों को लाभ मिले-

a. जनता के प्रत्यक्ष विरोध से बचाव।
b. अन्य यूरोपीय कंपनियों का विरोध नहीं।
c. कंपनी की व्यापारिक पूँजीवाद की नीति के अनुरूप।

बंगाल की जनता पर प्रभाव-

(i) राजस्व नियंत्रण कंपनी के हाथों में → कंपनी अधिकारियों द्वारा अधिकाधिक कर वसूली के प्रयास। इससे कृषक वृहद स्तर पर दुष्प्रभावित हुए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ii) दास्तक प्रणाली का दुरुपयोग बढ़ा → ग्रामीण शिल्प व दस्तकार बंद होने लगे

(iii) धन का निर्गमन और बढ़ा → निवेश की मात्रा कम होगई

(iv) उत्तरदायित्व की अनिश्चितता के कारण प्रशासनिक अराजकता में वृद्धि हुई इससे शोषण को और बढ़ावा मिला।

(v) विऔद्योगीकरण के कारण क्रय क्षमता में कमी → अकाल की दुर्भिक्षता, त्रासदी और भी बढ़ गई।

(vi) कंपनी द्वारा लूट-खसोट, घूस में वृद्धि। फलतः नवाब ने और कर लगाए इससे संघर्षों में वृद्धि हुई।

(vii) कंपनी द्वारा कृषि विकास सिंचाई के कार्यों पर तनिक भी ध्यान न दिया जाना → किसानों की स्थिति और भी दयनीय होती चली गई।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(iii) वैध शासन के प्रभावों को उस काल के 1780's के अकाल, कुलीनों का विवाह - संन्यासी विद्रोह, फकीर विद्रोह आदि में देखा जा सकता है।

* उपरोक्त संदर्भ में वैधशासन के आसन्नता पर पड़े नकारात्मक परिणामों को समझा जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "क्रांतिकारी आंदोलन को असहयोग आंदोलन के आकस्मिक समापन ने उत्तेजना प्रदान की तो वहीं बोल्शेविक क्रांति से जनित विचारों ने प्रेरणा प्रदान करने का कार्य किया।" स्पष्टीकरण कीजिये। 20

"While the sudden end of Non-cooperation movement aroused the revolutionary actions, the ideas generated by Bolshevik revolution inspired it." Elucidate. 20

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

क्रांतिकारी आंदोलन = क्रांति, आत्मबलिदान के माध्यम से राष्ट्र की स्वतंत्रता प्राप्ति की रणनीति।

प्रमुख तत्व - गुप्त समितियाँ

बम व पिस्तौल की राजनीति

अंग्रेज अधिकारियों को डराना-धमकाना

क्रांतिकारी पत्र-पत्रिकाएँ आदि

क्रांतिकारी आंदोलन को असहयोग आंदोलन के आकस्मिक समापन द्वारा उत्तेजना

(i) असहयोग आंदोलन को उसकी चरम अवस्था पर वापस ले लिया गया था (12 फरवरी 1922)।

परिणाम -

a. गाँधीवादी रणनीति से मोहभंग होने लगा।

b. जनता की वृहद् भागीदारी व आत्मबल की भावना ने क्रांतिकारियों को प्रोत्साहित किया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

c. वे लोगों की रूसी आंदोलनकारी भावना को आगे जारी रखने हेतु प्रयत्न करने लगे।

d. इसी क्रम में काकोरी काण्ड (1925) जैसी घटनाओं को अंजाम दिया गया।

e. असहयोग आंदोलन को दमित करने की ब्रिटिश रणनीति ने क्रांतिकारियों के मन में क्रांति की ज्वाला को और भी अधिक भड़का दिया।

बोल्शेविक क्रांति का योगदान -

a. क्रांति द्वारा अत्याचारी शोषण की समाप्ति के बोल्शेविक क्रांति के उदाहरण ने क्रांतिकारियों के आत्मबल को बढ़ाया।

b. क्रांतिकारियों में समाजवादी तत्वों के प्रवेश - वर्ग संघर्ष, समानता, क्रांति, ~~पूंजीवाद विरोध~~ आदि को भी बोल्शेविक क्रांति ने संभव बनाया।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

c. क्रांतिकारियों को रूस से मदद की आशा दिखने लगी। जिससे उनका मनोबल और बढ़ा।

d. रूस में 'सोवियत' के समान ही क्रांतिकारी छोटे-2 संगठनों में संयुक्त होने लगे। महाराष्ट्र, बंगाल आदि क्षेत्रों में विभिन्न समूह उभरे।

e. बोल्शेविक क्रांति में लेनिन द्वारा पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से आंदोलन को सशक्त करने की रणनीति ने भी भारतीय क्रांतिकारियों को प्रेरित किया।

वस्तुतः घरेलू प्रयासों की सीमाओं व बाह्य / विदेशी उदाहरणों की सफल गाथाओं ने सम्मिलित रूप से क्रांतिकारी आंदोलन को गति प्रदान की।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 'कॉन्ग्रेस समाजवादी पार्टी' का जन्म, राष्ट्रीय आंदोलन के भीतर एक ऐसी विचारधारा की खोज का परिणाम था जिसके माध्यम से राष्ट्रीय आंदोलन को एक बौद्धिक तथा राजनीतिक मार्गदर्शन की प्राप्ति हो सके। टिप्पणी कीजिये। 15

The birth of 'Congress Socialist Party (CSP)' was a result of the search of an ideology within the national movement, through which the national movement could achieve an intellectual and political guidance. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

CSP = 1934 में INC के भीतर ~~[illegible]~~ गठित एक समूह, जिसका झुकाव समाजवादी तत्वों की तरफ अधिक था। इसका अपना पृथक संविधान था व सदस्य संरचना थी।

प्रमुख नेता = जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया आदि।

CSP के जन्म की आधारशिला -

(i) 1929 की आर्थिक मंदी के बाद समाजवादी विचारों का प्रसार

(ii) 1931 के करांची अधिवेशन में पारित प्रस्तावों में भी इस ओर संकेत किया गया था।

(iii) इस समय एक नवीन विचारधारा पूर्ण स्वराज्य प्राप्ति, प्रजामंडल आंदोलनों को भी मुख्य धारा में शामिल करने के विचारों का समर्थन कर रही थी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) शोषक-शोषित की साम्य अवधारणा द्वारा ब्रिटिश विरोध को जन-जन तक पहुँचाने, उग्र आर्थिक सुधारों व नीतियों द्वारा औपनिवेशिक हितों पर चोट करने की भावना भी प्रबल होती जा रही थी।

(v) राज्य नियामक व नियोजक की भूमिका हो, आर्थिक गतिविधियाँ समाज केंद्रित व आवश्यकता केंद्रित हों; जैसी अवधारणाएँ एक नए वातावरण को जन्म दे रही थी।

(vi) गाँधीवादी रणनीति की असफलता- CDM की वापसी, असफल गोलमेज सम्मेलन आदि के कारण भी राजनैतिक स्तर पर नए प्रकार के नेतृत्व व रणनीति की माँग उठ रही थी।

(vii) फासीवाद विरोध, युद्ध विरोध जैसे तत्वों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संलग्नता को बढ़ाने के विचार भी उभर रहे थे।

वस्तुतः उपरोक्त परिस्थितियों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

राष्ट्रीय आंदोलन को एक नवीन बौद्धिक तथा राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम थी। जो कि साम्यवादी दल (CPI) व गाँधीवादी रणनीति का स्वयं को मेलमान रही थी।

इसी संदर्भ में INC के भीतर भी नए तत्वों को अधिवेशनों में स्वीकारने पर बल दिया जाने लगा तथा सफलता न मिलने पर अलग से CSP के रूप में दल का गठन हुआ। जो INC के भीतर रहकर ही उक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास करने लगा।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation